वर्षः– 06
अंकः– 17
मुरादाबाद
(Friday)
08 May 2026
पृष्ठः–8
मूल्यः– 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

देश की संप्रभुता को चुनौती देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, वर्षगांठ पर बोलीं राष्ट्रपति मुर्मू

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि यह अभियान आतंकवाद के खिलाफ भारत के मजबूत संकल्प और सैन्य शक्ति का प्रतीक है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने सेना के बेहतरीन तालमेल, सटीक कार्रवाई और भारत की बढ़ती सैन्य ताकत को दुनिया के सामने दिखाया है।

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद और देश की संप्रभुता को चुनौती देने वाली ताकतों के खिलाफ भारत के अटूट संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि

इस मिशन की बड़ी सफलता भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, संकल्प और पेशेवर क्षमता को दर्शाती है। राष्ट्रपति ने कहा कि पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले का भारतीय सेना ने सटीक और कड़ा जवाब दिया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि भारत को धमकाने की कोशिश करने वालों को पता होना चाहिए कि देश सतर्क, एकजुट और मजबूती से जवाब देने के लिए तैयार है। राष्ट्रपति ने देश की ओर से सैनिकों की वीरता, बलिदान और समर्पण को सलाम किया।

हम आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करने के इरादे पर मजबूती से कायम, वर्षगांठ पर बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सशस्त्र बलों के साहस और समर्पण को सलाम किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की सख्त नीति, सेनाओं के बेहतरीन समन्वय और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती आत्मनिर्भरता को दुनिया के सामने मजबूती से पेश किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, सटीकता और दृढ़ संकल्प को सलाम किया। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि एक साल पहले भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अद्वितीय बहादुरी का परिचय देते हुए पहलगाम में निर्दोष भारतीयों पर हमला करने वालों को करारा जवाब दिया था।भारत की रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा– प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की आतंकवाद के खिलाफ कठोर नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के अटूट संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इस अभियान ने भारतीय सेनाओं की पेशेवर क्षमता, तैयारी और आपसी समन्वय को दुनिया के सामने मजबूती से पेश किया। साथ ही यह भी दिखाया कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत के प्रयासों ने देश की सुरक्षा को और मजबूत किया है। मोदी ने कहा कि एक साल बाद भी भारत आतंकवाद और उसे समर्थन देने वाले पूरे तंत्र को खत्म करने के अपने संकल्प पर पूरी मजबूती से

कायम है। गृह मंत्री ने आतंकियों को दी चेतावनी– केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी और कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान भारत की सैन्य शक्ति का ऐतिहासिक प्रतीक बन गया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि ऑपरेशन सिंदूर हमेशा दुश्मनों को भारतीय सेना की अचूक मारक क्षमता की याद दिलाता रहेगा।अमित शाह ने कहा कि इतिहास इस दिन को भारतीय सेनाओं की सटीक स्ट्राइक क्षमता, खुफिया एजेंसियों की सूक्ष्म जानकारी और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के संयुक्त प्रदर्शन के रूप में याद रखेगा। उन्होंने कहा कि पहलगाम में भारतीय नागरिकों पर हमला करने वाले आतंकियों और उनके ठिकानों को सीमा पार जाकर नष्ट किया गया। गृह मंत्री ने आतंकियों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे कहीं भी छिप जाएं, भारत की नजर और सेना की मारक शक्ति से बच नहीं सकते। उन्होंने कहा कि यह दिन दुश्मनों के लिए हमेशा एक कड़ा संदेश बना रहेगा। अमित शाह ने इस मौके पर भारतीय सशस्त्र बलों के अद्वितीय साहस और बलिदान को भी सलाम किया।भारत की तरफ से पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को शुरू हुए आज एक साल हो गए हैं। 22 अप्रैल 2025 को जब पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी तो पाकिस्तान की इस नापाक साजिश और उसकी हरकतों को भारत ने यूं ही नजरअंदाज नहीं किया, बल्कि एक बार फिर पाकिस्तान में घुसकर कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। 7 मई की तड़के सुबह भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया। भारतीय बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मौजूद नौ आतंकी प्रशिक्षण शिविरों पर सटीक एयरस्ट्राइक की। इसमें कई आतंकी मारे गए और आतंकी ढांचों को तबाह कर दिया गया। भारत के इन हमलों में 100 से ज्यादा आतंकी भी मारे गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऑपरेशन की सफलता के बाद स्पष्ट किया था कि ऑपरेशन सिंदूर ने एक नया रक्षा सिद्धांत स्थापित किया है– %कि भारत पर किसी भी आतंकी हमले की भारी कीमत आतंकियों के साथ-साथ उनके आकाओं (पाकिस्तान) को भी चुकानी होगी, और भारत परमाणु धमकियों के आगे नहीं झुकेगा।

संक्षिप्त समाचार

कानून तभी सफल होगा, जब जनता सहयोग करेगी, जनसंख्या नियंत्रण और समान नागरिक संहिता पर बोले भागवत

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण और यूसीसी जैसी नीतियां जनता के सहयोग और जागरूकता से ही सफल हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि जाति आधारित राजनीति तब खत्म होगी, जब समाज खुद जातिगत सोच से ऊपर उठेगा और बराबरी का व्यवहार करेगा।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण की नीतियों और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने के लिए जनता का सहयोग और दीर्घकालिक विचार जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जाति आधारित राजनीति तभी खत्म होगी, जब समाज खुद जातिगत पहचान से ऊपर उठेगा। समाज में धर्मों-समुदायों के बीच हो सौहार्द– आरएसएस प्रमुख ने मैसूरु में राष्ट्रीय विकास में सामाजिक समरसता की भूमिका विषय पर व्याख्यान के बाद आयोजित संवाद कार्यक्रम में कहा कि समाज में धर्मों और समुदायों के बीच सौहार्द होना चाहिए। करना होता है। जब काम के आधार पर वोट नहीं मिलते, तो वे जाति के आधार पर वोट लेते हैं। जनसंख्या नियंत्रण विधेयक और यूसीसी पर क्या कहा?– जनसंख्या नियंत्रण विधेयक और यूसीसी पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि आरएसएस सरकार नहीं, बल्कि एक सामाजिक संगठन है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी कानून तभी सफल हो सकता है

देवबंद में मंच से गरजे सीएम योगी, कहा–बंगाल की जीत ने दिखाया आईना, फतवों पर ली चुटकी

सीएम योगी बोले– योग्य की जगह घूसखोर व्यक्ति व्यवस्था में आ जाता है, तो पूरे सिस्टम को खोखला कर देता है

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सरकारी भर्तियां अब पूरी तरह पारदर्शी और योग्यता आधारित हो गई हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार और सिफारिश की राजनीति पर हमला बोलते हुए कहा कि घूसखोर व्यवस्था को खोखला कर देते हैं। सरकार ने नौ लाख से अधिक युवाओं को निष्पक्ष तरीके से नौकरी देकर नए रोजगार रिकॉर्ड बनाए हैं। उत्तर प्रदेश में सरकारी भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और तकनीक आधारित बनाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को आयुष विभाग, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग तथा दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के लिए चयनित 481 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर लोकभवन में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन रोजगार के अंतर्गत प्रदेश सरकार लगातार नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित कर रही है। अब तक 9 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। पूरी प्रक्रिया में किसी को कहीं भी सिफारिश कराने की नौबत नहीं आई। परीक्षा के बाद भी किसी स्तर पर सिफारिश या अनैतिक साधनों का उपयोग करने की कोई गुंजाइश नहीं थी। इसी साफ नीयत और स्पष्ट नीति का परिणाम है कि आज आपको नियुक्ति पत्र प्राप्त हो रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले भर्तियां पैसों, जाति, मत, मजहब और क्षेत्र देखकर होती थीं, जिससे योग्य नौजवानों का शोषण होता था, लेकिन अब उत्तर प्रदेश में योग्यता ही चयन का आधार बनी है। किसी योग्य अभ्यर्थी की जगह घूसखोर व्यक्ति व्यवस्था में आ जाता, तो वह अगले 30-35 वर्षों तक

पूरे सिस्टम को घुन की तरह खोखला करता। इसलिए सरकार ने पहले दिन से ही भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार और लीकेज की संभावनाओं को समाप्त करने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि जवाबदेही, तकनीक और पारदर्शिता के कारण आज यूपी देश में सबसे अधिक नियुक्तियां देने वाला राज्य बन चुका है। 15 दिनों के अंदर चौथा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम– मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में सरकार ने नियुक्ति पत्र वितरण के नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। कोई सोच भी नहीं सकता था कि यूपी के नौजवानों को निष्पक्ष, पारदर्शी व सहज प्रक्रिया से सरकारी नौकरियां मिल पाएंगी। हमने अलग-अलग आयोगों व बोर्डों को जवाबदेही सौंपी और तकनीक का उपयोग कर हर योग्य नौजवान के साथ न्याय सुनिश्चित किया। इसी का परिणाम है कि हमने 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नियुक्ति पत्र उपलब्ध कराए हैं। पिछले 15 दिनों के अंदर यह हमारा चौथा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम है। यूपी को बना दिया गया था भ्रष्ट-गुंडा-अराजक प्रदेश– मुख्यमंत्री ने कहा कि याद कीजिए 2017 से पहले का उत्तर प्रदेश। देश-दुनिया में लोग यूपी का नाम सुनते ही शक की निगाह से देखते थे, दस कदम पीछे हट जाते थे। उत्तर प्रदेश को भ्रष्ट, गुंडा और अराजक प्रदेश बनाकर हर यूपीवासी के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया था। लेकिन, मुझे बेहद प्रसन्नता है कि अब आप कहीं भी जाएं, यूपी का नाम सुनते ही सामने वाले का चेहरा चमक उठता है, वह स्वागत के लिए उत्सुक दिखाई देता है। यह है परसेप्शन का बदलाव और परिणाम भी उसी के अनुरूप हैं। प्रति व्यक्ति आय, वार्षिक बजट व अर्थव्यवस्था को तीन गुना किया-मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय, वार्षिक बजट व समग्र अर्थव्यवस्था को तीन गुना करने में सफलता प्राप्त की है। यूपी अब रेवेन्यू सरप्लस राज्य और देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन है। यह सबसे ज्यादा नियुक्ति पत्र देने वाला, सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे बनाने वाला, किसानों को सर्वाधिक प्रोत्साहन देने वाला और समाज के हर वर्ग को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने वाला प्रदेश बन गया है। 96 लाख एमएसएमई इकाइयों में 3 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार– मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले एमएसएमई क्षेत्र लगभग बंद पड़ा था, कोई प्रोत्साहन नहीं था, चारों तरफ अव्यवस्था और हताशा थी। आज देश में सबसे अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) उत्तर प्रदेश में हैं। 96 लाख एमएसएमई इकाइयों में 3 करोड़ से अधिक लोग रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। गत वर्ष यूपी में 4000 से अधिक बड़े उद्योग आए और पिछले 9 वर्षों में बड़े उद्योगों की संख्या 14,000 से बढ़कर 32,000 से अधिक हो गई है। जिस यूपी को पहले देश के बॉटम-3 राज्यों में गिना जाता था, आज टॉप-3 राज्यों में शामिल है।आयुष के माध्यम से लाए जा सकते हैं चमत्कार मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष हेल्थ टूरिज्म को आकर्षित करने की सबसे बड़ी क्षमता रखता है। इसके माध्यम से चमत्कार लाए जा सकते हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को गांव-गांव में और बेहतर बनाना है। उपचार की पारंपरिक विधाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाना है। लिए किसानों से संवाद स्थापित करना है। आज 202 प्राध्यापक, चिकित्सा अधिकारी और स्टाफ नर्स नियुक्ति पत्र प्राप्त कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि आप सब आयुष विभाग को और गति देंगे। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उद्योग की मांग के अनुरूप स्किल्ड मैनपावर– मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास विभाग बड़ा और महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म है। अनुकूल वातावरण व नीतियों से यूपी में लगातार बड़े निवेश प्रस्ताव आ रहे हैं

118 विधायक लाओ, तभी होगी शपथः अड़े तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र, विजय को दूसरी बार राजभवन से वापस भेजा

तमिलनाडु में नई सरकार के गठन पर फैसला फिलहाल अटका हुआ है। टीवीके प्रमुख विजय ने कांग्रेस के समर्थन के साथ सरकार बनाने का दावा पेश किया है, लेकिन राज्यपाल राजेंद्र ने साफ कर दिया है कि शपथ से पहले 118 विधायकों का समर्थन साबित करना होगा।तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर सस्पेंस अभी बरकरार है। टीवीके प्रमुख विजय आज एक बार फिर राजभवन पहुंचे और राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की। हालांकि राज्यपाल ने साफ संकेत दे दिए हैं कि केवल सबसे बड़ी पार्टी होने भर से सरकार बनाने का रास्ता आसान नहीं होगा। सूत्रों के मुताबिक, राज्यपाल अपने रुख पर कायम हैं कि विजय

को पहले विधानसभा में बहुमत का स्पष्ट आंकड़ा दिखाना होगा। राजभवन का मानना है कि तमिलनाडु जैसे बड़े राज्य में अस्थिर सरकार का जोखिम नहीं लिया जा सकता, इसलिए 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए जरूरी 118 विधायकों का समर्थन साबित करना अनिवार्य होगा।बुधवार को विजय ने कांग्रेस के समर्थन पत्र के साथ सरकार बनाने का दावा पेश किया था। इसके अगले ही दिन वह फिर राजभवन पहुंचे। माना जा रहा है कि इस दौरान सरकार गठन के गणित और समर्थन जुटाने को लेकर चर्चा हुई। हालांकि राजभवन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों का कहना है कि राज्यपाल ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल समर्थन पत्र या मौखिक दावे पर्याप्त नहीं होंगे। उन्हें 118 विधायकों का ठोस समर्थन चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बनने वाली सरकार स्थिर रहेगी और विधानसभा में बहुमत साबित कर सकेगी। इस बीच टीवीके नेता वीएस बाबू ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार गठन की प्रक्रिया जल्द आगे बढ़ सकती है। हालांकि उन्होंने केंद्र सरकार के कथित दबाव से जुड़े सवालों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी से की मुलाकात, शॉल पहनाते हुए बोले– आप हारीं नहीं, अच्छा लड़ीं

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कोलकाता में ममता बनर्जी से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया। बंगाल चुनाव में भाजपा को 207 सीटें मिलीं, जबकि टीएमसी 80 सीटों पर सिमट गई। अखिलेश ने ममता को शॉल ओढ़ाकर कहा कि वे हारी नहीं बल्कि बहुत अच्छा लड़ीं। इससे पहले राहुल गांधी ने भी ममता बनर्जी से फोन पर बात की थी।पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों के बाद अखिलेश यादव बंगाल पहुंचे हैं। वहां उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी से मुलाकात की। बंगाल में 15 साल पुराने टीएमसी शासन के खात्मे और भाजपा की प्रचंड जीत के बाद यह पहली मुलाकात है। इस दौरान अखिलेश ने कहा कि भाजपा को दीदी हमेशा से खटकती रही हैं। अखिलेश का मानना है कि भले ही इस बार आंकड़े पक्ष में न रहे हों, लेकिन ममता बनर्जी ने एक योद्धा की तरह मुकाबला किया है। ममता बनर्जी खुद अखिलेश यादव को रिसीव करने के लिए गेट तक आईं, जबकि उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने अखिलेश को गले लगाकर उनका स्वागत किया। इस मुलाकात के दौरान अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी को शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया और कहा, दीदी, आप हारी नहीं हैं। अखिलेश ने ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के हौसले की तारीफ करते हुए कहा कि आप लोगों ने जिस तरह से चुनाव लड़ा, वह वाकई काबिले तारीफ है।राहुल ने दीदी से अपील की कि देश की सेक्युलर ताकतों को अब एक मंच पर मजबूती के साथ आने की जरूरत है। राहुल गांधी की इन बातों का जवाब देते हुए ममता बनर्जी ने अपनी नाराजगी जाहिर की और आरोप लगाया कि इस चुनाव में केंद्रीय एजेंसियों और चुनाव आयोग का जमकर दुरुपयोग किया गया है

संपादकीय Editorial

Ideological Mandate as Well

The mandates of Bengal and Tamil Nadu are milestones. Winning Bengal has fulfilled the RSS's long-cherished agenda, while Tamils ??have rejected 64 years of Dravidian politics and chosen a new ideology and a new agenda. The RSS's long-held agenda was to conquer Jammu and Kashmir, Assam, the Northeast, and Bengal and establish nationalist rule. After founding the Jana Sangh, Dr. Shyama Prasad Mukherjee focused on Jammu and Kashmir and launched a movement based on the ideology of "One Nation, One Constitution, One Flag, One Leader." He even sacrificed his life. However, that era is now a distant past and history. Today, the BJP has exemplified the RSS's ideological vision by securing a historic, overwhelming, and unprecedented mandate in Bengal. Indeed, Bengal, Assam, and the Northeast are symbols of the BJP's ideological successes. In Jammu and Kashmir, the BJP is in power through the Lieutenant Governor, who is the administrative head there. The Chief Minister is elected, but he is symbolic. However, the Sangh Parivar now holds political sway over the country's "Anga, Banga, Kalinga." The BJP-NDA controls 21-22 states and approximately 70% of the country's land area. This success and expansion also seems to be a repeat of the old Congress era. The BJP now faces the agenda of One Nation, One Election, nationalization of the Uniform Civil Code, identification and expulsion of Bangladeshi infiltrators, new delimitation of the country, and finally, implementation of the Nari Shakti Vandan Act. These are certainly political challenges. The mandate in Tamil Nadu is also ideologically significant. In the 1960s, a movement for Dravidian politics was created there, such that the Congress was never able to return to power in Tamil Nadu after 1967. Periyar (EV Ramasamy Naicker) was a great social reformer, rationalist, atheist, and founder of the Dravidian movement in South India. He led the "Self-Respect Movement" in Tamil Nadu against the caste system, Brahmanism, superstition, and oppression of women. His contributions to social justice earned him the nickname "Periyar" (great man). Dravidian politics fragmented, leading to the establishment of political parties like the DMK and AIADMK, but his fundamental ideology remained the same. He continued to receive mandates alternatively. Until the current context, Dravidian politics remained synonymous with North versus South, anti-Hindi, and anti-Sanatanism. Uday Stalin, son of outgoing Chief Minister Stalin, compared Sanatan Dharma to "mosquitoes, malaria, dengue, and coronavirus" and called for their complete eradication. Now, in the assembly elections, the Tamil people have rejected Dravidian politics after a six-decade-long period. This represents a significant ideological shift. Although superstar Vijay's two-year-old party, TVK, did not win a majority mandate, it is the largest party and very close to a majority, making it the most likely candidate for power. Vijay has presented a broad agenda against corruption and reforms in areas like education and employment. The "freebies" offered in Bengal, Tamil Nadu, and Assam are ultimately not in the national interest and will only increase the country's debt burden. Prime Minister Modi has publicly opposed these "freebies," yet his party continues to offer them as a "guarantee." Tamil Nadu has a debt of approximately ?10.42 lakh crore, while Bengal has a debt of ?7.90 lakh crore. Approximately 6,688 companies and factories in Bengal have left the state and relocated elsewhere. Approximately 7.18 lakh people from Bengal have migrated. Tamil Nadu's economic growth rate is better, but how will the debt be repaid? Promises of loan waivers for farmer.

The Pulse of the Food Supply Market: The Backbone of Traditional Trade is a Network of Local Retailers

General trade operates on a simple yet robust structure. First, there are carrying and forwarding agents, who handle stock and logistics. Then come distributors, who drive the distribution process. After working in the food industry for many years, I've come to understand that even though modern systems have rapidly evolved, general trade still remains the backbone of the distribution system. Modern trade and e-commerce help promote brands, but real reach is achieved through general trade, especially in remote areas. Traditional methods like personalized customer service and credit sales still hold great importance here. In my experience, general trade operates on a simple yet robust structure. First, there are carrying and forwarding agents, who handle stock and logistics. Then come distributors, who drive the distribution process. I've always seen that a distributor is not just a middleman but the face of the brand in their area. They directly impact the business by building relationships with retailers and promoting the product. A strong distributor network can sustain growth even during difficult times. The right distributor, the foundation of a good market—I've also learned that choosing the right distributor is crucial. This requires understanding their financial situation, infrastructure, business involvement, and growth vision. Managing these relationships effectively is also crucial. Regular communication, appropriate targets, motivation, and appropriate incentives are key to building good rapport. Next comes the sales team, which works on the ground and delivers real results. No matter how well-crafted a strategy you create in the office, if your sales team isn't properly formed and managed, it won't yield results. Proper territory planning saves time and improves performance. When a territory is manageable, the sales team is able to build strong relationships, continuously improve performance, and increase sales. Rewarding and recognizing good work boosts both team morale and efficiency. Product availability is crucial—I always believe that the route to market must be flexible. Every market is different, so the same approach can't be applied everywhere. Success lies in adapting to changes. Ultimately, the most important thing is that your product is available everywhere, and customers can get it when they need it. Prioritizing is crucial when working in retail. Larger outlets generate more sales, but a presence in more locations increases both brand recognition and availability. Growth is achieved only by striking the right balance. Pricing is also crucial. Everyone in the chain must receive a fair profit—whether distributor, retailer, or company. If someone doesn't make a profit, they won't promote your product, no matter how good the product is. Similarly, lending is important, but it must also be properly controlled, such as setting limits and collecting payments on time. The biggest change in the last few years has been in tracking secondary sales. Earlier, decisions were made based on guesswork, but now systems like distributor management systems have brought greater transparency. You can now see how the product is reaching the retailer, where there are deficiencies, and make quick improvements. This has made work more efficient and maintained human relationships. Trade schemes and promotions are still important, but they must be implemented correctly. A good scheme can energize the entire channel, while a bad one can create confusion. The focus should always be on increasing actual sales, not just pushing stock. Furthermore, product visibility within the store also influences customer decisions. How to reach the rural market? - Special attention is needed for the rural market. This is not simply an extension of the urban strategy, but requires a different approach. Reaching here presents logistical challenges, requires understanding local preferences, and working with a small network. However, in the long term, there is immense potential. With the right approach and patience, even villages can deliver significant growth. Finally, proper monitoring is essential for all of this. You should monitor data like sales, coverage, stock, and collections. But even more important is understanding those data correctly. Data is important, but experience helps you understand it correctly. Regular reviews, honest conversations with the team, and timely improvements are key to success. Overall, I believe General Trade is a system that is both robust and adaptable over time. If run correctly, it doesn't just sell products, but also builds trust, strengthens the brand, and ensures long-term business sustainability. For any food company seeking sustained growth, investing in and understanding this system is crucial.

Fire Safety: Going Beyond Ritualism and Saving Lives

Available data from the World Health Organization and the National Crime Records Bureau clearly indicates that fire accidents in India have now become a "silent epidemic." The decision by the Union Ministry of Health and Family Welfare to observe "Fire Safety Week" across the country from May 4th to 10th, 2026, is not merely a formal administrative exercise, but a serious warning. As temperatures soar to 45 degrees Celsius across much of the country and heatwaves become common, the risk of fire accidents in hospitals, public institutions, and densely populated areas increases manifold. Although traditionally celebrated on April 14th in memory of the martyrs of the 1944 Bombay Dock Explosion, the Ministry of Health's choice of the first week of May represents a visionary initiative in keeping with changing climatic conditions and the strategy of "preventive healthcare." Horrifying Statistics and a Silent Epidemic - Available data from the World Health Organization and the National Crime Records Bureau clearly shows that fire accidents in India have become a "silent epidemic." An estimated 70 to 80 lakh people suffer burn injuries every year in the country, of which approximately 1.4 to 1.5 lakh die. Globally, India also ranks among the top countries in burn deaths. Several international studies, including The Lancet, have highlighted that a large proportion of these deaths could have been prevented. The most worrying fact is that approximately 75 to 80 percent of fire incidents occur within homes. Leaked cooking gas, old or overloaded electrical wiring, cylinder explosions, and children being exposed to hot liquids are the main causes. The National Crime Records Bureau report also shows that the number of "accidental deaths by fire" remains consistently high. Electrical burns and chemical fires in industrial areas are not only fatal but also leave victims with lifelong disabilities, leaving families in financial crisis. Hospitals: A Test of Safety – Hospitals are places where the most vulnerable and vulnerable—patients—are present. Therefore, a key focus of this Health Ministry initiative is the fire audit of hospitals. During the May-June heat wave, ventilators, oxygen supply systems, ICU units, and air conditioning face significant electrical stress, increasing the risk of short circuits and fires. In recent years, major fires in hospitals across the country—Mumbai, Ahmedabad, Delhi, and Jhansi—have proven that toxic smoke is more deadly than the fire itself. In many cases, patients died not from burns but from suffocation. Therefore, the mock drills, equipment inspections, and emergency evacuation exercises conducted from May 4th to 10th are not mere formalities but life-saving exercises. Uttarakhand's Forest Fires: A Smoldering Himalaya - A discussion of fire safety is incomplete without reference to Himalayan states like Uttarakhand. The forest fire problem here is becoming more severe every year. According to Forest Department data, thousands of hectares of forest area were engulfed in fires during 2023-24 alone. In the last four years (2021–2024), approximately 18 to 20 people, including forest personnel and local villagers, have lost their lives while trying to extinguish forest fires. Forest fires are no longer just burning trees, but are affecting the entire ecosystem. They are damaging biodiversity, drying up water sources, and reducing soil fertility. Smoke causes a drop in the air quality index, leading to an increase in asthma, bronchitis, and other respiratory diseases. This problem is also linked to climate change, where rising temperatures and drought further fuel forest fires. Mori Block: The Tragedy of Remote Villages - Mori Block in Uttarkashi district is a vivid example of our systemic failures in fire safety. In villages like Fitadi, Sankari, and Singatur, the traditional wooden carved houses (kothars) are cultural heritage, but also extremely vulnerable to fire. Due to geographical inaccessibility, fire engines are unable to reach them. As a result, in case of a fire, the entire village is reduced to ashes within hours. The close proximity of houses contributes to the rapid spread of fire. When forest fires reach these villages, the situation becomes even more dire. In such areas, community firefighting systems, local management of water sources, and training of villagers can be the only real solutions. The challenge of faith, fire, and safety - A significant dimension of fire safety is also related to large religious events. The stampede during the Gayatri Mahayagna held at Shantikunj in Haridwar on November 8, 2011, in which approximately 20 devotees died, is a tragic example. Although this incident wasn't directly related to a fire, the thick smoke emanating from the yajna kunds, inadequate ventilation, and excessive crowding combined to create suffocating conditions. This incident highlights that where fire (yajna) and a large crowd meet, the risks multiply. Firefighting equipment alone is not sufficient; scientific crowd management, adequate evacuation routes, and smoke extraction systems become essential. Challenges and the Government's Responsibility Weaknesses: The biggest weakness in the fire safety system is the paper fire NOC and rampant corruption in the inspection system. Many buildings have fire extinguishers installed merely for show and are not regularly inspected. Another serious problem is the severe shortage of skin banks. Modern skin grafting facilities for severely burned patients are limited in India, especially in North India. According to experts, the number of skin banks is extremely low compared to the country's population, preventing thousands of patients from receiving timely treatment. Lack of awareness in rural areas is also a major challenge. Even today, in many places, people resort to home remedies—such as applying cow dung, oil, or ink—instead of first aid for burns, which increases the risk of infection. Policy change is needed: Considering fire safety the responsibility of only one department is a grave mistake. A multi-pronged approach is necessary. Fire safety and emergency evacuation training should be included in the curriculum from the school level. Strictness is necessary at the administrative level—licenses of hospitals, malls, and hotels violating safety standards should be immediately revoked. States like Uttarakhand require a special strategy, including setting up "mini fire stations" in remote areas, training local youth as "fire volunteers," and promoting the commercial use of pine needles. This will both control forest fires and create employment. In the health sector, establishing at least two modern "skin banks" in every state is crucial to ensure better treatment for severely burned patients. Precautions are not just a weeklong ritual—the "Fire Safety Week" from May 4th to 10th forces us to consider whether we will remain a society that only awakens after an accident? Fire is a disaster that can destroy life's earnings and precious lives in a matter of moments. This initiative by the Health Ministry will be meaningful only if it moves beyond mere paper plans and ensures real safety, from the wooden houses of the streets to the state-of-the-art hospitals of the metropolis. festyle and social ritual—because fire safety is not just the responsibility of the government, but also the duty of every citizen.

मेड़ काटने के विवाद में दो पक्षों में पथराव, 34 नामजद समेत 84 लोगों पर केस, देखती रह गए पुलिसकर्मी

अमरोहा के सैदपुर इम्मा में मेड़ काटने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। दोनों के बीच पथराव होने से मामला बिगड़ गया। पुलिस ने 84 के खिलाफ केस दर्ज किया है। नौगावां सादात थानाक्षेत्र के गांव सैदपुर इम्मा में खेत की मेड़ काटने को लेकर दो पक्षों के बीच शुरू हुआ विवाद बवाल में बदल गया। दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और जमकर पथराव किया। पुलिस की मौजूदगी में भी दोनों ओर से पत्थर चलते रहे। इससे गांव में अफरातफरी मच गई।स्थिति बिगड़ने पर थाने से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाना पड़ा। पुलिस ने मामले में 34 नामजद और 50 अज्ञात समेत 84 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। घटना के बाद आरोपी गांव से फरार हो गए। सीओ अवधभान भदोरिया ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब एक बजे हेड कांस्टेबल कुलदीप कुमार और सिपाही हेमंत कुमार मूंढा चौकी क्षेत्र में गश्त पर थे। इसी दौरान सूचना मिली कि गांव सैदपुर इम्मा में दो पक्षों के बीच विवाद हो रहा है। सूचना मिलते ही दोनों पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे तो देखा कि गांव निवासी अल्ताफ और शकील पक्ष के लोग खेत की मेड़ काटने को लेकर आमने-सामने खड़े थे और एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर फेंक रहे थे। पथराव के चलते गांव में भगदड़ जैसे हालात बन गए। लोग खुद को बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों को समझाने और रोकने का प्रयास किया, लेकिन किसी ने उनकी बात नहीं मानी। पुलिस की मौजूदगी में भी दोनों पक्ष लगातार पथराव करते रहे। हालात बेकाबू होते देख पीआरवी और थाने से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। अतिरिक्त पुलिस बल गांव पहुंचते ही आरोपी खेतों के रास्ते भाग निकले। पुलिस ने मौके से स्थिति को नियंत्रित किया और गांव में शांति व्यवस्था कायम कराई। मामले में पुलिस की ओर से दोनों पक्षों के 34 लोगों को नामजद करते हुए 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। महिलाओं को भी आरोपी बनाया गया है। सीओ ने बताया कि घटना की गंभीरता से जांच की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है और जल्दी ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इन लोगों को किया गया नामजद- पुलिस ने मामले में अल्ताफ, महताब, जहूर, सरताज, मेहराज, सलमान, महाराजख, आले हसन, फरीद, नबी हसन, शौकीन, गुलिस्ता, रहीशा, हलीमा, शकील, अकील, अमीन, एहसान, चांद, गुलशेर, मुकीम, शौकीन, रहमान, नफीस, शरीफ, अब्दुल रहमान, नसरूद्दीन, शमशुद्दीन, नूरा, इसरार, वरीशा, हुस्ना, सोनी को आरोपी बनाया है।

प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड के आरोपी पकड़ से बाहर, सरेआम गोली मार और फरसे से वार कर ली थी जान

प्रॉपर्टी डीलर रंजीत चौहान हत्याकांड में मुख्य आरोपी अभी तक गिरफ्तार नहीं हो पाए हैं। इससे परिजनों में आक्रोश है। हत्यारोपियों की तलाश में पुलिस कई जगहों पर दबिश दे रही है। कमालपुर चंदौरा गांव निवासी प्रॉपर्टी डीलर रंजीत चौहान हत्याकांड में तीसरे दिन भी नामजद आरोपी और उनके साथी गिरफ्तार नहीं हो पाए हैं। सोमवार देर शाम जब रंजीत चौहान गांव में ही परिषदीय स्कूल के निकट टहल रहे थे तभी हमलावरों ने उनका पीछा कर मुनेशपाल के घर में घुसकर रंजीत चौहान की गोली मारकर और फरसे से वार कर हत्या कर दी थी।इस घटना में मृतक के बड़े भाई पिंकू चौहान ने गांव निवासी अजय और उसके पिता योगेंद्र तथा अजय के दो रिश्तेदारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थीं। सीओ बिलारी ने नामजद हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिए थाना बिलारी की पांच टीमें गठित कर दी हैं।बिलारी पुलिस द्वारा आरोपियों के ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है

लेकिन घटना के तीसरे दिन भी कोई आरोपी गिरफ्तार नहीं हो पाया। उधर मृतक रंजीत चौहान का शव मंगलवार दोपहर बाद पोस्टमार्टम के बाद जब घर पहुंचा था तब परिजनों ने पुलिस से यह मांग उठाई थी कि रंजीत का मोबाइल शीघ्र बरामद किया जाए। पुलिस ने जैसे-तैसे परिजनों को समझाकर और आश्वासन देकर शांत किया था। प्रेमिका के भाई और पिता ने की थी प्रॉपर्टी डीलर की हत्या- बिलारी थाना क्षेत्र के कमालपुर चंदौरा गांव में सोमवार रात करीब आठ बजे प्रॉपर्टी डीलर रंजीत चौहान की हत्या उसकी प्रेमिका के भाई और पिता ने रिश्तेदारों के साथ मिलकर कर दी।

पुलिस ने मृतक के भाई पिंकू चौहान की तहरीर पर गांव निवासी अजय चौहान, उसके पिता योगेंद्र और दो अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पिंकू चौहान का कहना है कि अजय की बहन से उसके भाई के प्रेम संबंध थे, इसी रंजिश में हत्या की गई। पुलिस की पांच टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। प्राथमिकी के अनुसार, सोमवार रात करीब साढ़े आठ बजे रंजीत चौहान गांव के बाहर स्कूल के पास टहलने गए थे। तभी अजय अपने पिता योगेंद्र, मौसेरे भाई और एक अन्य रिश्तेदार के साथ वहां पहुंच गया और रंजीत को घेर लिया। जान बचाने के लिए रंजीत मुनेश पाल के घर में घुस गए, जहां आरोप है कि अजय ने उन्हें गोली मार दी, योगेंद्र ने सिर पर फरसे से वार किया, जबकि अन्य आरोपियों ने चाकू से हमला किया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। पिंकू का दावा है कि वह स्कूटी से बाजार से लौट रहा था, तभी उसने चारों आरोपियों को मौके से भागते देखा। वह घायल रंजीत को अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पिंकू के अनुसार, रंजीत और अजय की बहन के बीच प्रेम संबंध थे, जिससे अजय और उसके पिता नाराज थे और रंजिश रखते थे। इसी के चलते उन्होंने रिश्तेदारों के साथ मिलकर हत्या की। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर चार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की पांच टीमें दबिश दे रही हैं। प्रॉपर्टी डीलर मारी थीं दो गोलियां, फरसे से फट गया भेजा- प्रॉपर्टी डीलर रंजीत चौहान पर हत्या करने के इरादे से ही हमला किया गया था। मंगलवार की शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट से इसके संकेत मिले हैं। प्रॉपर्टी डीलर रजीत चौहान को पेट और सीने के बीच में दो गोलियां मारी गई थीं। 315 बोर की दोनों गोलियां अंदर ही फंसी मिल गई हैं। इसके अलावा सिर पर फरसे से पांच से छह वार किए गए थे। जिससे सिर की हड्डियां टूट गई थीं और भेजा फट गया था। पोस्टमार्टम के दौरान डिजिटल फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी कराई गई है।

जनगणना 2027:स्वगणना में स्वयं से भरें अपना व परिवार का विवरण

भारत की 16वीं और पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना एक अप्रैल 2026 से दो चरणों में शुरू हो चुकी है। इसमें स्व-गणना (सेल्फ इन्यूमिरेशन) की सुविधा है। जिसमें नागरिक स्वयं अपना और घर का वांछित विवरण भर सकते हैं। इसके लिए वेवसाइट https://se.census.gov.in के लिंक पर जाकर अपनी जानकारी खुद दर्ज कर सकते हैं। इसका उद्देश्य सटीक, पारदर्शी और त्वरित डेटा संकलन है। जनगणना 2027 दो चरण में कराई जा रही है। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और आवास गणना अप्रैल-सितंबर 2026 के मध्य जारी है। दूसरे चरण में जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में होगी। जनगणना डिजिटल पहल है। पूरी प्रक्रिया मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल के माध्यम से होगी। स्वगणना में लोग घर बैठे 5-10 मिनट में पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी भर सकते हैं। मुख्य जनगणना के लिए एक मार्च 2027 की मध्य रात्रि निर्धारित है। सात मई से स्वगणना की प्रक्रिया शुरू होगी।यदि आप स्व-गणना करते हैं, तो आपको एक संदर्भ आईडी (रेफरेंस आईडी) मिलेगी, जो प्रगणक (न्यूमेरेटर) को सत्यापन के समय देनी होगी। यह राजनीतिक प्रतिनिधित्व, महिला आरक्षण और विकास योजनाओं के लिए डेटा का आधार बनेगी। ऐसे करें स्वगणना- स्व-गणना प्रक्रिया के लिए आधिकारिक वेबसाइट https://se.census.gov.in पर जाएं स्व-गणना विकल्प चुनें मोबाइल नंबर/आधार के साथ रजिस्टर करें परिवार और मकान का ब्योरा भरें फॉर्म जमा करने के बाद जनरेट संदर्भ आईडी को सुरक्षित रखें 16 मई से 14 जून 2026 तक प्रगणक घर-घर जाकर स्व-गणना डेटा का सत्यापन करेंगे यह देनी होगी जानकारी- स्वगणना के दौरान राज्य, परिवार के मुखिया का विवरण और मोबाइल नंबर दर्ज कर ओटीपी से सत्यापन करें। 31 प्रश्नों (आवास, सुविधा, परिवार विवरण) का फॉर्म ऑनलाइन भरें और अंत में स्वगणना आईडी सुरक्षित रख लें। जिसे बाद में आने वाले जनगणना कर्मचारी को दिखाना होगा। जानकारी का विवरण- परिवार की कुल संख्या, मकान के प्रकार, शौचालय, पीने का पानी, बिजली, इंटरनेट, और संपत्ति (गाड़ी, बाइक आदि) से संबंधित जानकारी भरें। जानकारी सबमिट करने के बाद एक विशिष्ट स्व-गणना आईडी मिलेगी।

इसे सुरक्षित रखें। जब प्रगणक घर आएं, तो उन्हें यह आईडी और मोबाइल नंबर बताएं। सावधानी- स्व-गणना की अवधि आम तौर पर फील्ड सर्वे शुरू होने से पहले होती है। सावधानी रखें कि एक मोबाइल नंबर का उपयोग केवल एक ही परिवार के लिए किया जा सकता है। एकत्र की गई सभी जानकारी जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत गोपनीय रखी जाएगी।

यूनिसेफ की रिपोर्ट: संचारी रोग नियंत्रण के हर मोर्चे पर मुरादाबाद फिसड्डी, फॉगिंग व नाला सफाई में जिला पीछे

यूनिसेफ की सर्वे रिपोर्ट में संचारी रोग नियंत्रण के सभी मानकों पर मुरादाबाद मंडल में सबसे पीछे रहा। फॉगिंग, एंटी लार्वा स्प्रे, नाला सफाई और जलभराव निस्तारण में जिला राज्य औसत से कम प्रदर्शन कर पाया। रिपोर्ट में बरसात से पहले डेंगू और मलेरिया का खतरा बढ़ने की आशंका जताई गई है।संचारी रोग नियंत्रण में मंडल में मुरादाबाद सबसे पीछे रह गया। यूनिसेफ की सर्वे रिपोर्ट में फगिंग, नाला सफाई, एंटी लार्वा स्प्रे और जलभराव दूर करने में जिला फिसड्डी साबित हुआ। संचारी रोग से लड़ने में मुरादाबाद में किसी भी मोर्चे पर सौ फीसदी काम नहीं हुआ है।जबकि जिले में संचारी रोग को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। यूनिसेफ की सर्वे रिपोर्ट में अप्रैल 2026 तक के आंकड़े बताते हैं कि फॉगिंग से लेकर एंटी लार्वा छिड़काव तक, नालों की सफाई से लेकर जलभराव के निस्तारण तक हर पैरामीटर पर मुरादाबाद राज्य के औसत से नीचे है।सबसे ज्यादा चिंता की बात शहरी क्षेत्र में फॉगिंग की है, जहां मुरादाबाद का औसत महज 80 प्रतिशत है, जबकि संभल ने 100 प्रतिशत का आंकड़ा छू लिया। एंटी लार्वा स्प्रे में भी मुरादाबाद 82 प्रतिशत पर अटका है, जबकि बिजनौर और संभल 100 प्रतिशत पर हैं। यानि जहां दूसरे जिले पूरी तैयारी का दावा कर रहे हैं, वहीं मुरादाबाद में मच्छरों के खिलाफ जंग अधूरी है। नालों की सफाई और जलभराव हटाने जैसे बुनियादी कामों में भी मुरादाबाद पीछे है। नालों की सफाई 91 प्रतिशत और जलभराव हटाने में 88 प्रतिशत ही काम हुआ है, जो राज्य के औसत से कम है। यह सीधे तौर पर डेंगू, मलेरिया और इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारियों के खतरे को बढ़ाता है। इन आंकड़ों के मुताबिक संचारी रोगों के खिलाफ जंग में मुरादाबाद की तैयारी अधूरी नजर आ रही है। अगर समय रहते सुधार नहीं हुआ, तो बरसात के मौसम में हालात बिगड़ना तय है। एडी हेल्थ डॉ. आशु अग्रवाल का कहना है कि विभिन्न विभाग इस कार्यक्रम में मिलकर कार्य करते हैं। स्वास्थ्य विभाग अपनी ओर से लगातार सुधार कर रहा है। नालों की सफाई - जनपद / राज्य सफाई प्रतिशत- राज्य 93% अमरोहा 96% बिजनौर 98% मुरादाबाद 91% संभल 94% रामपुर 98% जलभराव हटाना- जनपद / राज्य प्रतिशत- राज्य 91% अमरोहा 95% बिजनौर 94% मुरादाबाद 88% संभल 91□ रामपुर 98% फॉगिंग (प्रतिशत) जनपद / राज्य प्रतिशत- राज्य 84% अमरोहा 91% बिजनौर 91% मुरादाबाद 80% संभल 100% रामपुर 90%

संक्षिप्त समाचार

चटोरी गली का संपर्क मार्ग बना मॉडल रोड, खिंचे चले आ रहे फास्टफूड के दीवाने

नगर निगम प्रशासन ने शहरी विकास को गति देते हुए रामगंगा विहार की फूड स्ट्रीट चटोरी गली को जोड़ने वाले प्रमुख संपर्क मार्ग को अत्याधुनिक सुविधाओं युक्त सड़क के रूप में निर्मित कर दिया है। पहले यह सड़क जर्जर और टूटी थी। अब सड़क निर्माण से इस क्षेत्र के अलावा चटोरी गली में आने वाले महानगर के विभिन्न मोहल्ले के फास्ट फूड के शौकीनों को बेहतर वातावरण मिलेगा।रामगंगा विहार की इस सड़क को अत्याधुनिक मॉडल रोड के रूप में विकसित किया है। इससे नागरिकों को सुरक्षित, सुगम और आधुनिक यातायात सुविधा उपलब्ध होगी। इस मॉडल रोड का निर्माण उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप किया गया। सड़क की कुल लंबाई 90 मीटर और राइट ऑफ वे 18 मीटर है। दोनों ओर 55 मीटर चौडी लेन, मध्य में एक मीटर चौड़ा डिवाइडर और पैदल यात्रियों के लिए दोनों ओर तीन मीटर चौड़ा सुरक्षित फुटपाथ का निर्माण किया गया है। नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल का कहना है कि चटोरी गली को जोड़ने वाली सड़क को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। इस पर स्ट्रीट लाइट, हरित पट्टी, सीवरेज सिस्टम आदि के माध्यम से आदर्श मॉडल सड़क के रुप में बनाया गया है। इससे सुरक्षित व सुगम यातायात का लाभ नागरिकों को मिलेगा।यह सुविधाएं मिलीं- इस मॉडल रोड का निर्माण उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप किया गया है। इस पर आधुनिक स्ट्रीट लाइटिंग, हरित पट्टी (प्लांटेशन), स्टार्म वाटर ड्रेनेज, सीवरेज सिस्टम की सुविधा दी गई है। इससे बरसात के दिनों में भी सड़क पर जलभराव नहीं होगा। सुरक्षित व सुगम रूप से लोग यहां आवागमन कर सकेंगे। शाम को रहती है चटोरी गली में रौनक- चटोरी गली में हर शाम रौनक रहती है। ग्राहकों की बड़ी संख्या यहां अपनी पसंदीदा स्ट्रीट फूड का आनंद लेने पहुंचती है। पहले सड़क जर्जर होने से लोगों को आने में असुविधा होती थी। लेकिन अब सुविधायुक्त मॉडल सड़क के बनने से ग्राहकों को आने-जाने में सहूलियत होगी। इससे दुकानदारों का कारोबार भी चमकेगा।

ईरान-अमेरिका युद्ध:सूखे मेवों के दाम में उछाल, बादाम, काजू, किशमिश महंगी

मुरादाबाद । बाजार में सूखे मेवों की कीमतों में इन दिनों तेज उछाल देखने को मिल रहा है। आयात और फसल प्रभावित होने के चलते पिस्ता, काजू, बादाम, अंजीर और किशमिश के दामों में बढ़ोतरी हुई है, जिससे ग्राहकों की जेब पर असर पड़ रहा है। व्यापारियों के अनुसार, ईरान से पिस्ते की खेप गुजरात पोर्ट तक नहीं पहुंच पा रही है, जिसके चलते अब आपूर्ति अफगानिस्तान से हो रही है। सप्लाई प्रभावित होने के कारण पिस्ता करीब 800 रुपये प्रति किलो तक महंगा हो गया है। एक माह पहले 1400 रुपये प्रति किलो बिकने वाला पिस्ता अब करीब 2000 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। इसी तरह तंजानिया से आने वाले काजू बीज की फसल प्रभावित होने से काजू के दाम 750 रुपये से बढ़कर 900 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। अंजीर की कीमत भी 750 रुपये से बढ़कर 1000 रुपये प्रति किलो हो गई है। बादाम 600 रुपये से बढ़कर 820 रुपये प्रति किलो बिक रहा है, जबकि छुआरा 150 रुपये से बढ़कर 300 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। महाराष्ट्र के नासिक और सांगली क्षेत्रों में किशमिश की फसल कम होने के कारण इसके दाम भी दोगुने हो गए हैं। पहले 210 रुपये प्रति किलो मिलने वाली किशमिश अब 425 रुपये प्रति किलो तक बिक रही है। सूखे मेवों के बढ़ते दामों पर विक्रेता अमित रस्तोगी ने बताया कि विदेशों से आपूर्ति प्रभावित होने और स्थानीय फसल कमजोर रहने के कारण बाजार में माल कम आ रहा है, जिससे कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। वहीं, गोपाल गुप्ता का कहना है कि आने वाले समय में मांग बढ़ने पर दाम और बढ़ सकते हैं। फिलहाल ग्राहकों की खरीदारी पर भी इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। सहालग ने बढ़ाई मांग, कीमतों पर असर शादी-विवाह के सीजन के चलते भी सूखे मेवों की मांग में तेजी आई है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं वे बालिकाओं को सुरक्षा सम्मान सरकारी योजनाओं के बारे में जागरुक कराया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/सिकंदर राजा / मुरादाबाद थाना मुगलपुरा मिशन शक्ति अभियान के सम्बन्ध महिलाओं व बालिकाओं के साथ गोष्टी कर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे- विधवा पेंशन योजना वृध्दावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ,कृषि कर भुगतान योजना, कन्या सुमंगला योजना , प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि से अवगत कराते हुए एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे - राजकीय जूनियर हाई स्कूल में महिलाओं को हेल्पलाइन नंबर वूमेन पावर लाइन-1090 घरेलू हिंसा हेल्पलाइन-181 पुलिस आपातकालीन सेवा -112 स्वास्थ्य सेवा- 102,108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर - 1076 चाइल्ड लाइन 1098 साइबर क्राइम 1930, आदि के बारे में जागरूक किया गया तथा साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गई व पंपलेट वितरण किए गए MST 02 थाना मुगलपुरा जनपद मुरादाबाद

कमर्शियल गैस सिलेंडर के बढ़े दामों के विरोध में व्यापारियों ने उठाई आवाज

राष्ट्रपति को भेजा मांग पत्र , कीमतें वापस लेने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश की ओर से कमर्शियल गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई गई है। संगठन के पदाधिकारियों ने महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित एक मांग पत्र भेजकर गैस सिलेंडरों के बढ़े हुए दाम तत्काल वापस लेने की मांग की है। संगठन के जिला अध्यक्ष अकरम खान ने बताया कि कमर्शियल गैस सिलेंडरों की लगातार बढ़ती कीमतों से होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, कैटरिंग, मिठाई एवं बेकरी व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। इसके कारण छोटे व्यापारियों के सामने आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। व्यापारियों का कहना है कि गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई बढ़ोतरी से महंगाई लगातार बढ़ रही है, जिसका सीधा असर आम जनता और छोटे कारोबारियों पर पड़ रहा है। संगठन ने मांग की है कि कमर्शियल गैस सिलेंडरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा घरेलू गैस की तर्ज पर ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था लागू की जाए। इसके साथ ही व्यापार मंडल ने गैस एजेंसियों द्वारा मनमानी वसूली और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए जांच समिति गठित करने की मांग भी उठाई है। व्यापारियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडरों पर जीएसटी दर 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने की मांग की है। संगठन ने सरकार से विवाह समारोह, अस्पतालों और स्कूलों के लिए प्राथमिकता के आधार पर गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने की भी अपील की है। व्यापारियों में शशांक गुप्ता , डॉक्टर मुदित प्रताप सिंह , परवेज आलम , राजेश कुमार दिवाकर मोहम्मद अकरम खान जिला अध्यक्ष ,ने चेतावनी दी कि यदि जल्द राहत नहीं दी गई तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

नगर निगम की वेबसाइट पर वायरस अटैक से मचा हड़कंप, हर दिन करोड़ों का नुकसान

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली । नगर निगम की वेबसाइट पर साइबर हमले से शहर की डिजिटल सेवाएं ठप हो गई हैं। वायरस अटैक के बाद टैक्स बिलिंग, ई-टेंडरिंग और पेटीएम पेमेंट जैसे सभी ऑनलाइन पोर्टल बंद हो गए हैं। इससे निगम को रोजाना 50 से 80 लाख रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। हैकर्स ने मुख्य कंट्रोल सिस्टम को बनाया निशाना, डेटा एक्सेस पर संकट तकनीकी सूत्रों के मुताबिक, हैकर्स ने वेबसाइट के सी-पैनल और डब्ल्यूएचएम को सीधे टारगेट किया है। नगर निगम की वेबसाइट अमेरिकी होस्टिंग कंपनी ब्लू होस्ट के सर्वर पर चल रही थी। सर्वर के मुख्य ढांचे पर हमले के बाद डेटाबेस तक पहुंचना नामुमकिन हो गया है। इस वजह से नागरिकों के टैक्स भुगतान, ऑनलाइन बिलिंग और सरकारी प्रोजेक्ट्स के लिए जरूरी ई-टेंडरिंग प्रक्रिया पूरी तरह रुक गई है। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि सिस्टम ठप होने से प्रशासनिक कामकाज भी प्रभावित हो रहा है। तकनीकी टीम ने शुरू किया रिकवरी मिशन, राजस्व लक्ष्य पर संकट-नगर निगम की आईटी टीम अरिहंस और ब्लू होस्ट के साथ मिलकर सर्वर को क्लीन करने और डेटा बैकअप सुरक्षित करने में लगी है। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके द्विवेदी ने बताया कि शुरुआती जांच में वायरस अटैक की आशंका जताई गई है। टीम लगातार सर्वर की निगरानी कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, यदि सेवाएं जल्द बहाल नहीं हुईं तो वित्त वर्ष के राजस्व लक्ष्य पूरे करना मुश्किल हो जाएगा। निगम का पहला लक्ष्य जनता को जल्द राहत देना और राजस्व नुकसान को रोकना है

राजकीय बीज भंडार के पांच गोदाम प्रभारी को कारण बताओ नोटिस

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। कृषि विभाग के उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय ने राजकीय बीज भंडार के पांच गोदाम प्रभारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। भोजीपुरा के गोदाम प्रभारी अनिल गंगवार, बिथरी चैनपुर के गोदाम प्रभारी विजय गंगवार, भदपुरा के गोदाम प्रभारी नरेंद्र गंगवार, बहेड़ी के गोदाम प्रभारी जयप्रकाश को नोटिस दिया गया। इन लोगों ने समस्त योजनाओं में जो भी प्रदर्शन एवं क्लस्टर आयोजित किए गए थे। फसल का कितना उत्पादन हुआ क्रॉप कटिंग अभी तक नहीं भेजी है, जबकि क्रॉप कटिंग फसल काटने पर कर लेना चाहिए था, जो अब समय निकल चुका है। अब खरीफ फसल की तैयारी है।

डिजिटल जनगणना 2027 का बरेली में शुभारंभ, जनप्रतिनिधियों ने की स्व-गणना

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली । जनगणना-2027 के अंतर्गत प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना प्रक्रिया को लेकर बरेली जनपद में तैयारियां तेज हो गई हैं। इस प्रक्रिया के तहत 22 मई से 20 जून 2026 तक प्रगणक घर-घर जाकर नागरिकों से अधिसूचित प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करेंगे। जनगणना केवल जनसंख्या की गणना नहीं, बल्कि आयु, लिंग, साक्षरता और आर्थिक गतिविधियों जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक एवं आर्थिक आंकड़ों के संग्रह की राष्ट्रीय प्रक्रिया है, जिसके आधार पर भविष्य की योजनाएं और नीतियां तय की जाती हैं। इस बार भारत सरकार द्वारा डिजिटल माध्यम से जनगणना कराए जाने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में 7 मई से 21 मई 2026 तक स्व-गणना यानी सेल्फ एन्यूमरेशन का प्रावधान किया गया है। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार बरेली में जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी के निर्देश पर स्व-गणना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ. अरुण कुमार, सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, विधान परिषद सदस्य बहोरन लाल मौर्य, विधायक डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, विधायक डॉ. डीसी वर्मा, विधायक संजीव अग्रवाल तथा महापौर उमेश गौतम ने स्व-गणना प्रक्रिया का शुभारंभ करते हुए स्वयं स्व-गणना की। जनगणना प्रभारी राकेश कुमार सिंह एवं उपहार मिश्रा ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों को स्व-गणना की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी। कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने आम जनता से अपील की कि वे भारत सरकार के इस महत्वपूर्ण अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और स्व-गणना कराएं। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी सदर सहित राजस्व विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। इसके बाद उप जिलाधिकारी सदर प्रमोद कुमार और जनगणना प्रभारी ने बरेली मंडल के आयुक्त भूपेंद्र एस चौधरी से मुलाकात की। आयुक्त ने स्वयं स्व-गणना कर जनपदवासियों से जनगणना-2027 के स्व-गणना अभियान को सफल बनाने की अपील की। जनपद की सभी तहसीलों में भी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी में स्व-गणना अभियान का शुभारंभ किया गया तथा लोगों से अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी करने का आह्वान किया गया।

स्काईवॉक व संजय कम्युनिटी सेंटर की निगम खुद संभालेगा कमान

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। स्काईवॉक व संजय कम्युनिटी सरोवर के संचालन को लेकर नगर निगम ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। निजी एजेंसियों की मनमानी और ऊंची निविदा दरों के कारण लटकी इन दोनों परियोजनाओं को अब नगर निगम खुद चलाने की तैयारी कर रहा है। इस संबंध में निगम ने मंडलायुक्त को पत्र भेजा है। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत लगभग 11.33 करोड़ रुपये की लागत से पटेल चौक पर स्काईवॉक का निर्माण किया गया है। यहां चौकी चौराहा, बरेली कॉलेज रोड और चौपुला की ओर जाने वाले राहगीरों के लिए आवागमन सुगम होने के साथ-साथ 80 दुकानों के माध्यम से खान-पान और खरीदारी की विशेष सुविधा मिलेगी। मंडलायुक्त भूपेंद्र एस. चौधरी ने राजस्व वृद्धि पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि परियोजनाओं के लिए नए सिरे से रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) तैयार किया जाए, जिसमें धनराशि और नियम पहले से स्पष्ट हों। यदि एजेंसियां नियमों के दायरे में नहीं आती हैं,

तो नगर निगम अपनी टीम के जरिए इसे सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करेगा। अधिकारियों का कहना है इस विषय पर वरिष्ठ अफसरों के साथ अंतिम दौर का मंथन जारी है। दावा है निजी ठेकेदारों के हाथों में खेलने के बजाय खुद संचालन करने से नगर निगम के खजाने में भी सीधे राजस्व की बढ़ोतरी होगी। स्मार्ट सिटी सीईओ संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि स्मार्ट सिटी की इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को लेकर नगर निगम बेहद गंभीर है। निजी एजेंसियों की ओर से निविदा में मनमानी दरों के कारण राजस्व का नुकसान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसीलिए अब निगम ने खुद संचालन की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। मंडलायुक्त से हरी झंडी मिलते ही स्काईवॉक और सरोवर परिसर को सुव्यवस्थित ढंग से चालू कर दिया जाएगा।

स्कूल के पास कुएं में गिरकर छह साल के छात्र की मौत, पानी पीने गया था मासूम

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। भुता थाना क्षेत्र के गांव अदीनापुर में बृहस्पतिवार सुबह एक दुखद घटना घटित हो गई। गांव स्थित आत्मानंद विद्या मंदिर स्कूल के छह वर्षीय छात्र लविश की कुएं में गिरने से मौत हो गई।

वह पानी पीने के लिए गया था और पैर फिसलने से कुएं में गिर गया। छात्र की मौत से उसके परिवार में कोहराम मच गया। आत्मानंद विद्या मंदिर स्कूल के समीप एक गहरा कुआं है। बृहस्पतिवार सुबह छात्र लविश कुएं से पास लगी टोंटी से पानी पीने गया था। इसी दौरान वह कुएं में गिर गया। उसे कुएं में गिरता देख अन्य बच्चों ने शोर मचाया। इस पर शिक्षक और ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बच्चे को कुएं से निकालने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। बताया जाता है कि विद्यालय परिसर के पास ही एक कुआं है। लविश पानी पीने के लिए कुएं के पास गया था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह कुएं में जा गिरा। अचानक हुई इस मौत से घर परिवार में मातम छा गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने अभी कोई शिकायत नहीं दी है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बरेली में राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए निकली जागरूकता रैली, छात्रों ने दिया न्याय का संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली । आगामी 9 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार को लेकर बुधवार को जागरूकता रैली निकाली गई। माननीय जनपद न्यायाधीश प्रदीप कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। यह रैली जनपद न्यायालय परिसर से शुरू होकर कलेक्ट्रेट और तहसील परिसर से होते हुए वापस न्यायालय पहुंची। रैली में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, कस्तूरबा इंटर कॉलेज और राजकीय इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व के बारे में जागरूक किया। इस दौरान न्यायिक अधिकारी, न्यायालय कर्मचारी और पराविधिक स्वयंसेवक भी मौजूद रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 9 मई 2026 को जनपद न्यायालय सहित सभी बाह्य न्यायालयों में किया जाएगा, जहां आपसी सहमति से मामलों का त्वरित निस्तारण किया जाएगा।

15 हजार की रिश्वत लेते चकबंदी लेखपाल गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली- भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत भ्रष्टाचार निवारण संगठन बरेली टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चकबंदी लेखपाल को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया । बताया गया कि आरोपी अजय, पुत्र मनवीर सिंह, निवासी आवास विकास प्रथम बुलंदशहर, वर्तमान में तहसील फरीदपुर में चकबंदी लेखपाल के पद पर तैनात था। आरोपी पर दाखिल-खारिज से संबंधित पत्रावली के निस्तारण के नाम पर रिश्वत मांगने का आरोप था। शिकायत मिलने के बाद भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने जाल बिछाकर कार्रवाई की। बुधवार देर शाम प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम ने फरीदपुर क्षेत्र के बक्सरिया मोहल्ले में आरोपी को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत थाना कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि यदि कोई सरकारी कर्मचारी रिश्वत मांगता है तो उसकी शिकायत संगठन के अधिकारियों से की जा सकती है।

जननायक एक्सप्रेस से मुक्त कराए गए बाल श्रमिक

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। जस्ट राइट फ़ॉर चिल्ड्र्न दिल्ली की सूचना पर काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान बदायूं और रेलवे चाइल्ड लाइन जंक्शन की टीम ने जननायक एक्सप्रेस से 10 बाल श्रमिक को मुक्त कराया था। बुधवार की देर रात बच्चों के लिए सीडब्ल्यूसी में पेश किया गया। बच्चों के परिवार वाले ना होने के कारण बच्चों के लिए राजकीय बालगृह शाहजहांपुर में शिफ्ट कराया गया। बच्चे मुजफ्फरपुर के रहने वाले थे। उनको कोई अमृतसर मजदूरी कराने ले जा रहा था। बच्चों के परिवार को सूचना दे दी गई है। परिवार वालों के आने पर उनके सुपुर्द किया जाएगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

भारतीय किसान संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, अवैध वसूली और तौल में गड़बड़ी के लगाए आरोप

समस्याओं के समाधान नहीं होने पर सीएम हाउस घेराव की चेतावनी

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर गुरुवार को भारतीय किसान संघ ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधीश के नाम ज्ञापन सौंपा। संघ ने उपार्जन केंद्रों पर अवैध वसूली, मंडियों में तौल की अनियमितताओं तथा राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो हजारों किसान भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे। जानकारी के अनुसार भारतीय किसान संघ की जिला बैठक दोपहर 12 बजे संघ कार्यालय पर आयोजित की गई, जिसमें संगठन की मजबूती और किसान हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके बाद दोपहर 2 बजे संघ के पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। उपार्जन केंद्रों पर अनियमितताओं का आरोप- ज्ञापन में आरोप लगाया

गया कि जिले के 49 गेहूं, चना और मसूर उपार्जन केंद्रों पर किसानों के साथ अनियमितताएं की जा रही हैं। अटलपुर सोसाइटी, बदरवास और मां कैलादेवी वेयरहाउस कोलारस सहित कई केंद्रों पर सैंपल के नाम पर किसानों से 10 किलो तक अनाज काट लिया जाता है, जिसे वापस नहीं किया जाता। इसके अलावा प्रति बोरी 5 रुपये की अवैध वसूली किए जाने की शिकायत भी की गई। मंडी में तौल गड़बड़ी से नुकसान- किसान संघ ने पिपरसमाया कृषि उपज मंडी में लहसुन और प्याज खरीदी में भी गड़बड़ी के आरोप लगाए। संघ के अनुसार मंडी में 42 किलो तौल कर किसानों को केवल 40 किलो का भुगतान दिया जा रहा है। निजी गोदामों में अवैध तुलाई और आढ़तियों द्वारा 5 प्रतिशत तक वसूली किए जाने से किसानों को प्रतिदिन लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है।

बिजली और कृषि यंत्रों पर सब्सिडी की मांग- ज्ञापन में जर्जर बिजली पोल और झूलते तारों को बदलने की मांग की गई। किसानों ने कहा कि इससे आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। इसके अलावा मजदूरों की कमी को देखते हुए कृषि यंत्रों पर अधिक सब्सिडी देने और राजस्व विभाग में कथित रिश्वतखोरी पर रोक लगाने की मांग भी उठाई गई। आंदोलन की चेतावनी- भारतीय किसान संघ ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए स्पष्ट कहा कि यदि किसानों की समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो भोपाल में मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान प्रांतीय सदस्य पवन शर्मा, जिलाध्यक्ष बृजेश धाकड़, जिला मंत्री बृजेश शर्मा, संभागीय सदस्य राजेश वर्मा, जिला सह प्रचार प्रमुख दीपेंद्र पाल सहित विभिन्न तहसीलों के पदाधिकारी

9 मई को होगा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का भव्य अनावरण, दो मंत्री रहेंगे मौजूद

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फरूखाबाद / शहर के रोडवेज बस स्टैंड पर आगामी 9 मई (शनिवार) को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का भव्य अनावरण किया जाएगा। इस ऐतिहासिक पल के गवाह बनने के लिए प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह और परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। अधिकारियों ने परखीं व्यवस्थाएं- कार्यक्रम को सफल बनाने और अंतिम दौर की तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुरुवार को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राठौर ने प्रशासनिक अमले के साथ कार्यक्रम स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। उनके साथ डीडीओ, पीडब्ल्यूडी के अधिशासी

अभियंता और डायल 112 के प्रभारी भी मौजूद रहे। जलभराव की समस्या का तत्काल समाधान- निरीक्षण के दौरान रोडवेज बस स्टैंड के पास सड़क किनारे जलभराव की समस्या सामने आई। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने नगर पालिका अध्यक्ष से और डीडीओ ने ईओ से वार्ता की। संबंधित अधिकारियों ने आश्वस्त किया है कि रात तक जलभराव की समस्या का पूर्ण रूप से समाधान कर दिया जाएगा ताकि कार्यक्रम में कोई विघ्न न आए। भव्य पंडाल और क्रेन की होगी व्यवस्था- कार्यक्रम की भव्यता को देखते हुए प्रतिमा के माल्यार्पण के लिए विशेष रूप से क्रेन की व्यवस्था की जा रही है। आयोजन समिति के अनुसार, मूर्ति के ठीक पीछे एक विशाल मंच और पंडाल सजाया जाएगा, जिसमें वीआईपी मूवमेंट के लिए एक अलग गैलरी भी बनाई जाएगी। मंच पर आसीन होने वाले विशिष्ट अतिथियों की सूची अलग से तैयार की जा रही है। साफ-सफाई के सख्त निर्देश- अधिकारियों ने बस स्टैंड परिसर में साफ-सफाई की चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं। क्षत्रिय महासभा के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने बताया कि माननीय मंत्रीगण सुबह 10ः30 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर पहुंच जाएंगे। उन्होंने इस आयोजन को फर्रुखाबाद के लिए एक गौरव का क्षण बताते हुए सभी जिलेवासियों से भारी संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल की अपील की है।

नम आंखों से विदाई: जालौन में तैनात दारोगा का फर्रुखाबाद के पांचाल घाट पर पुलिस सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद - हरियाणा में एक भीषण सड़क हादसे में जान गंवाने वाले जालौन में तैनात दारोगा सत्यवान सिंह फर्रुखाबाद के पांचाल घाट पर पूरे पुलिस सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनके बड़े बेटे मंजीत ने उन्हें मुखाग्नि देकर अंतिम विदाई दी। पैतृक आवास पर पहुंचा पार्थिव शरीर, मचा कोहराम- कादरी गेट थाना क्षेत्र के मोहल्ला विकास नगर निवासी दारोगा सत्यवान सिंह की मंगलवार को हरियाणा में एक सड़क हादसे में मौत हो गई थी। बुधवार दोपहर जब पोस्टमार्टम के बाद पुलिस उनका पार्थिव शरीर लेकर फर्रुखाबाद स्थित उनके आवास पर पहुंची, तो परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गली संकरी होने के कारण पुलिस वाहन घर तक नहीं पहुंच सका, जिसके चलते शव को स्ट्रेचर के जरिए घर तक ले जाया गया। दारोगा की पत्नी, बेटियां और बेटे शव लिपटकर बिलखते नजर आए। घर में मौजूद रिश्तेदारों और स्थानीय लोगों

ने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। पांचाल घाट पर दी गई पुलिस सलामी- घर के बाहर कुछ देर अंतिम दर्शन के बाद पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए पांचाल घाट ले जाया गया। सूचना मिलते ही सीओ सिटी अभय वर्मा और अपर पुलिस अधीक्षक मृतक दारोगा के घर पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी। पांचाल घाट पर वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में उन्हें पुलिस की ओर से अंतिम सलामी दी गई और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। एक साल पहले ही हुआ था प्रमोशन- दारोगा सत्यवान सिंह मूल रूप से कासगंज जनपद के रहने वाले थे, लेकिन पिछले 17 वर्षों से अपने परिवार के साथ फर्रुखाबाद में रह रहे थे। उनके दूसरे नंबर के बेटे विशाल सिंह ने बताया कि लगभग एक वर्ष पूर्व ही उनके पिता का दारोगा के पद पर प्रमोशन हुआ था। सत्यवान सिंह अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं, जिनमें पांच बच्चे शामिल हैंः बड़ी बहन अमरजीत कौर और परमजीत कौर (दोनों विवाहित) बड़े बेटे मंजीत सिंह (विवाहित और बैंक कर्मचारी) दूसरे बेटे विशाल सिंह (बीटेक के बाद दिल्ली में कार्यरत) सबसे छोटे बेटे युवराज सिंह (ग्रेजुएश इस दुखद घटना से पूरे पुलिस विभाग और स्थानीय क्षेत्र में शोक की लहर है।

गर्भवती महिला की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, गायत्री नर्सिंग होम सील

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद में स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक निजी अस्पताल पर ताला जड़ दिया है। कादरी गेट थाना क्षेत्र स्थित %गायत्री नर्सिंग होम% में ऑपरेशन के दौरान एक गर्भवती महिला की मौत के बाद, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (ष्टरूह्र) डॉ. अवनींद्र कुमार के निर्देश पर अस्पताल को सील कर दिया गया। अस्पताल में भर्ती अन्य मरीजों को सुरक्षित लोहिया अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। क्या है पूरा मामला?- प्राप्त जानकारी के अनुसार, कम्पिल थाना क्षेत्र के रसीदपुर गांव की रहने वाली एक गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा उठने पर गायत्री नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। सोमवार को ऑपरेशन के दौरान महिला की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मृतका के परिजनों ने अस्पताल के चिकित्सकों पर घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने उसी दिन अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर (ओटी) को सील कर दिया था। जांच में सामने आईं गंभीर खामियां- सीएमओ डॉ. अवनींद्र कुमार ने बताया कि महिला की मौत के

बाद पूरे प्रकरण की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई थी। जांच रिपोर्ट में नर्सिंग होम के संचालन में भारी अनियमितताएं पाई गईंः विशेषज्ञों का अभाव अस्पताल में कोई भी नियमित विशेषज्ञ चिकित्सक तैनात नहीं था। सभी डॉक्टर केवल ऑन-कॉल आते थे। कागजं पर सिर्फ एक डॉक्टरः अस्पताल के रिकॉर्ड में केवल एक बीएएमएस (BAMS) चिकित्सक का नाम दर्ज पाया गया। मानकों की अनदेखी अस्पताल में बायो-मेडिकल वेस्ट (चिकित्सीय कचरा) निस्तारण के मानक भी फेल पाए गए। मरीजों को किया गया शिफ्ट- जांच रिपोर्ट के आधार पर बुधवार को सीएमओ डॉ. अवनींद्र कुमार अपनी पूरी टीम के साथ गायत्री नर्सिंग होम पहुंचे और विस्तृत पड़ताल के बाद मुख्य द्वार पर ताला लगाकर उसे सील कर दिया। कार्रवाई के समय अस्पताल में चार मरीज भर्ती थे, जिन्हें एंबुलेंस की मदद से डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में शिफ्ट कराया गया। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई के दौरान डिप्टी सीएमओ डॉ. दीपक कटारिया, डॉ. शोभा सक्सेना, डॉ. श्वेता सिंह, वरिष्ठ लिपिक आलोक सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग, पर्यावरण विभाग और गंगा स्वच्छता समिति के सदस्य प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

गुरुजी का हुक्म, पढ़ाई छोड़कर स्कूल में भारी बाल्टियों से पानी ढो रहे मासूम छात्र

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है जो शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। जहाँ सरकार सर्व शिक्षा अभियान पर करोड़ों खर्च कर रही है,

वहीं कायमगंज ब्लॉक के नरैनामऊ में मासूम बच्चों से पढ़ाई की जगह मजदूरी कराई जा रही है। क्या है पूरा म ब्लॉक कायमगंज के ग्राम नरैनामऊ स्थित एक सरकारी स्कूल का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि स्कूल के छोटे-छोटे मासूम छात्र पढ़ाई छोड़कर

भारी बाल्टियों में हैंडपंप से पानी भर रहे हैं। गुरुजी का हुक्म या लापरवाही- आरोप है कि स्कूल के शिक्षक बच्चों को शिक्षा देने के बजाय उनसे स्कूल का पानी भरवा रहे हैं। बच्चे कड़ी धूप में हैंडपंप चलाकर पानी भरने को मजबूर हैं और फिर उसे ढोकर स्कूल के अंदर ले जा रहे हैं। बड़ा सवाल क्या स्कूल में पानी की व्यवस्था के लिए कोई कर्मचारी नहीं है? क्या बच्चों को स्कूल पानी ढोने के लिए भेजा जाता है? क्या बेसिक शिक्षा विभाग इन लापरवाह शिक्षकों पर नकेल कसेगा? यह वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय अभिभावकों में भारी रोष है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है या फिर नौनिहालों का बचपन इसी तरह हैंडपंपों पर पिसता रहेगा।

इलाज के नाम पर जानलेवा लापरवाही! निजी अस्पताल में प्रसूता की मौत, CMO ने किया सील

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद में निजी अस्पताल की बड़ी लापरवाही! प्रसूता की मौत के बाद मचा हड़कंप, सीएमओ ने किया अस्पताल सील फर्रुखाबाद के लोहाई रोड स्थित एक निजी अस्पताल में कथित लापरवाही के चलते महिला की मौत होने से हड़कंप मच गया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमओ डॉ. अंकुर लाठर खुद टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच के बाद अस्पताल को सील कर दिया गया।बताया जा रहा है कि महिला का ऑपरेशन किया गया

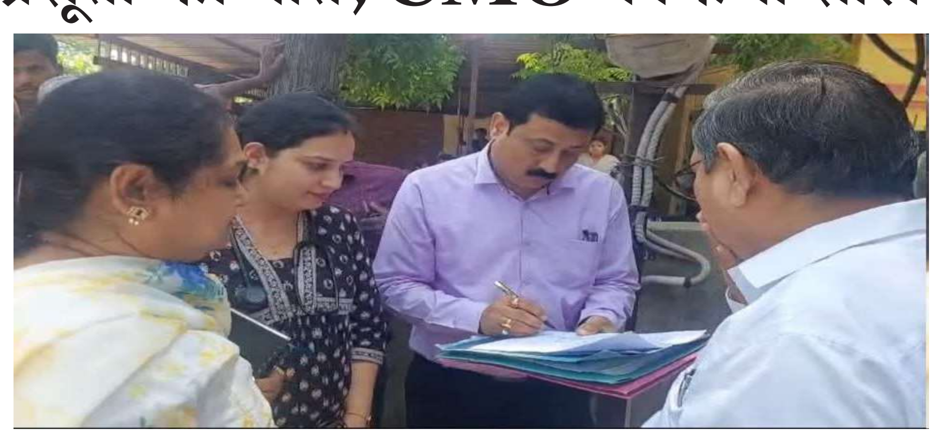

था, लेकिन हालत बिगड़ने के बाद समय पर सही इलाज नहीं मिल सका। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने स्थिति छिपाने की कोशिश की और रेफर करने में भी देरी की। सीएमओ की टीम ने अस्पताल के दस्तावेज, मेडिकल रिकॉर्ड और ऑपरेशन थिएटर की जांच की। शुरुआती जांच में कई खामियां सामने आने की बात कही जा रही है। प्रशासन ने मामले में सख्त कार्रवाई के संकेत दिए हैं।

इस घटना के बाद जिले के निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। आम जनता अब स्वास्थ्य विभाग से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। इलाज के नाम पर लापरवाही कब तक? क्या निजी अस्पतालों में मरीज सुरक्षित हैं?

भारतीय किसान संघ की तहसील इकाई की बैठक संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- आज ग्राम सुमेर दांगी में भारतीय किसान संघ की तहसील इकाई की एक मासिक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में क्षेत्र के किसानों की समस्याओं और संगठन की आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के मुख्य बिंदु: संगठन विस्तारः तहसील क्षेत्र में संगठन की सक्रियता बढ़ाने और नए सदस्यों को जोड़ने पर जोर दिया गया। किसानों की समस्याएंः वर्तमान कृषि परिस्थितियों, बिजली आपूर्ति जैसे स्थानीय मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। आगामी कार्यक्रम: आने वाले समय में किसानों के हित में किए जाने वाले कार्यों और ज्ञापनों की रणनीति तैयार की गई। बैठक में भारतीय किसान संघ के तहसील अध्यक्ष प्रीतम सिंह राजपूत एवं तहसील मंत्री माधव प्रसाद दुबे पदाधिकारी और क्षेत्र के जागरूक किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में किसान एकता और संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया एवं तहसील संगठन के सह युवा वाहिनी संयोजन शेर सिंह पटेल मीडिया प्रभारी दिव्यांश दुबे एवं सीताराम कुर्मी जगदीश यादव खचोरी लाल एवं अन्य ? पदाधिकारी मौजूद रहेबैठक के पश्चात पदाधिकारियों ने सुमेर उपार्जन केंद्र का दौरा किया और वहां की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान किसानों ने उपज की तुलाई और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर अपनी समस्याएं साझा कीं।

इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तहसील मंत्री माधव प्रसाद दुबे ने तत्काल तहसीलदार त्यौंदा को वस्तुस्थिति से अवगत कराया। उन्होंने मांग की कि उपार्जन केंद्र पर किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और तुलाई कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जाए। तहसील अध्यक्ष प्रीतम सिंह राजपूत ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए संघ सदैव तत्पर है

महिला आयोग की सदस्या ने जिला अस्पताल से जेल तक परखी व्यवस्थाएं

क्यूँ न लिखूँ सच/ पीलीभीत। राज्य महिला आयोग की सदस्या श्रीमती पुष्पा पाण्डेय ने गुरुवार को जनपद के विभिन्न संस्थानों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जिला अस्पताल, महिला अस्पताल, जिला कारागार और कस्तूरबा गांधी विद्यालय नगर का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिला अस्पताल निरीक्षण के दौरान सदस्या ने लेबर रूम सहित विभिन्न वार्डों का जायजा लिया और साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर रखने के निर्देश दिए। महिला अस्पताल में उन्होंने 05 नवजात बच्चियों को बेबी किट वितरित कर परिवारों को शुभकामनाएं दीं।

इसके बाद विकास भवन स्थित गोमती सभागार में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में घरेलू हिंसा, जमीनी विवाद, पेंशन और आपसी विवाद से संबंधित 11 शिकायतें प्राप्त हुईं। सदस्या ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा महिला लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ दिलाया जाए।

जिला कारागार निरीक्षण के दौरान उन्होंने 23 महिला बंदियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए पूर्णागिरि मंदिर में उपयोग होने वाले थैले बनाकर रोजगार से जुड़ने की सलाह दी।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय नगर के निरीक्षण में विद्यालय की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं तथा समस्त स्टाफ उपस्थित मिला।

इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता में उपविजेता बनी पीलीभीत की छात्रा, डीएम-एसपी ने किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच/ पीलीभीत । जवाहर नवोदय विद्यालय बीसलपुर की छात्रा कु. तनुष्का गंगवार ने राष्ट्रीय स्तर की क्रिकेट प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर जनपद का नाम रोशन किया है।

इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने गांधी सभागार में छात्रा को प्रमाण पत्र एवं शील्ड देकर सम्मानित किया तथा उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि कक्षा-10 की छात्रा तनुष्का गंगवार ने क्षेत्रीय कार्यालय क्रिकेट अंडर-17 प्रतियोगिता में गौतम बुद्धनगर में प्रतिभाग किया था। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन नवोदय विद्यालय समिति लखनऊ संभाग की टीम में हुआ। इसके बाद स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 29 अप्रैल से 03 मई 2026 तक आयोजित राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्रा की इस सफलता से विद्यालय एवं जनपद में खुशी का माहौल है। प्रधानाचार्य ने बताया कि खेल शिक्षिका सुश्री रेनू भाटिया के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन से छात्रा ने यह उपलब्धि हासिल की। अधिकारियों ने कहा कि बेटियां खेल के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयां हासिल कर रही हैं और अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणा बन रही हैं।

सुभाषनगर पुलिस और STF की बड़ी कार्रवाई, 8 लाख की अवैध अफीम संग 3 तस्कर गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली । नशे के कारोबार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। थाना सुभाषनगर पुलिस और यूपी स्ञ्सस्र लखनऊ की संयुक्त टीम ने 1 किलो 428 ग्राम अवैध अफीम के साथ तीन आरोपियों को दबोचा। बरामद अफीम की अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 8 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर अंधी पुलिया के पास खंडहर पंप नंबर-08 के समीप पीपल के पेड़ के नीचे छापेमारी की गई। इस दौरान लालाराम वर्मा, तौफीक खान और राकेश को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में तीनों के कब्जे से अलग-अलग मात्रा में कुल 1 किलो 428 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। इसके अलावा पुलिस ने आरोपियों के पास से 950 रुपये नकद और तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे उत्तर प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा में अफीम की सप्लाई करते थे और इस खेप को पंजाब के लुधियाना ले जाने की तैयारी में थे। फिलहाल पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

एक माह से खराब सोलर ड्यूल पंप, पन्डो जनजाति के 50 परिवार नदी-नाले का पानी पीने को मजबूर

◆ भीषण गर्मी में गहराया पेयजल संकट, विभागीय लापरवाही से ग्रामीणों में आक्रोश

◆ पीएचई एवं क्रेडा विभाग पर उपेक्षा का आरोप, कलेक्टर से तत्काल सुधार कार्य की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच/ चांदनी बिहारपुर- सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कोल्हुआ के पुराना स्कूल पारा वार्ड क्रमांक 2 में लगा सोलर ड्यूल पंप पिछले लगभग एक माह से खराब पड़ा हुआ है। पंप बंद होने से क्षेत्र के करीब 50 परिवार गंभीर पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी पन्डो जनजाति के परिवारों को हो रही है, जिन्हें राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाली विशेष जनजाति के रूप में जाना जाता है।

ग्रामीणों के अनुसार पूरे मोहल्ले के लोग इसी सोलर ड्यूल पंप के पानी पर निर्भर थे। पंप खराब होने के बाद अब लोगों को नदी-नालों का पानी पीना पड़ रहा है। गर्मी के मौसम में जल स्रोत भी लगातार सूखते जा रहे हैं, जिससे स्थिति और चिंताजनक बन गई है। दूषित पानी पीने से बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों ने बताया कि सोलर ड्यूल पंप खराब होने की जानकारी कई बार पीएचई विभाग एवं केडा विभाग को दी गई, लेकिन अब तक कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। विभागीय लापरवाही के कारण ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि प्रशासन की अनदेखी के कारण उन्हें मूलभूत सुविधा पानी के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है।क्षेत्र में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। तापमान बढ़ने के साथ पेयजल संकट ने विकराल रूप ले लिया है। सुबह से लेकर शाम तक महिलाएं और बच्चे पानी की तलाश में भटकते नजर आते हैं। कई परिवारों को दूर-दराज के नदी-नालों से पानी लाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि नदी का पानी साफ नहीं होने के बावजूद मजबूरी में उसका उपयोग करना पड़ रहा है।स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लाखों रुपये खर्च कर सोलर ड्यूल पंप लगाए गए थे, लेकिन रखरखाव के अभाव में योजनाएं दम तोड़ती नजर आ रही हैं। यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। ग्रामीणों ने सूरजपुर कलेक्टर से मांग की है कि तत्काल संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर खराब सोलर ड्यूल पंप की मरम्मत कराई जाए तथा गांव में सुचारू पेयजल व्यवस्था बहाल की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे प्रशासन के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

उर्स, बकरीद व मोहर्रम को लेकर पीलीभीत में धारा 163 लागू

बिना अनुमति जुलूस, जनसभा और लाउडस्पीकर पर रोक, 2 जुलाई तक प्रभावी रहेंगे आदेश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पीलीभीत। आगामी शाहजी मियां उर्स, बकरीद, मोहर्रम तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने जनपद में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू कर दी है। जिला मजिस्ट्रेट ज्ञानेन्द्र सिंह द्वारा जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है,

जो 02 जुलाई 2026 तक प्रभावी रहेगा।

जिला प्रशासन के अनुसार विभिन्न माध्यमों से ऐसी सूचनाएं प्राप्त हुई थीं कि कुछ अराजक एवं असामाजिक तत्व सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने तथा लोक शांति भंग करने का प्रयास कर सकते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए पूरे जनपद में सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं।

आदेश के तहत बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के किसी भी प्रकार की जनसभा, जुलूस, जलसा एवं धार्मिक आयोजन नहीं किए जा सकेंगे। सार्वजनिक स्थानों पर पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। लाठी, डंडा, तलवार, चाकू, बंदूक, पिस्टल तथा अन्य हथियार लेकर चलने या सार्वजनिक प्रदर्शन पर भी रोक लगाई गई है।

बिना अनुमति लाउडस्पीकर एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग पर प्रतिबंध रहेगा। रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर के उपयोग की अनुमति नहीं होगी। अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों एवं न्यायालयों के 100 मीटर क्षेत्र को शांत क्षेत्र घोषित किया गया है। बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने पर भी रोक लगाई गई है।

प्रशासन ने अफवाह फैलाने, भड़काऊ भाषण देने, धार्मिक भावनाएं आहत करने, नशे की हालत में सार्वजनिक स्थानों पर घूमने तथा सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। आदेश का उल्लंघन भारतीय न्यायिक संहिता की धारा-223 के अंतर्गत दंडनीय अपराध माना जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

9 मई को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / दीवानी न्यायालय, पूरनपुर व बीसलपुर में होंगे मामलों के निस्तारण पीलीभीत। जनपद में 09 मई 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक दीवानी न्यायालय परिसर पीलीभीत, ग्राम न्यायालय पूरनपुर एवं बाह्य न्यायालय बीसलपुर में संपन्न होगा।

उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के लंबित व प्री-लिटिगेशन मामलों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीलीभीत के पूर्णकालिक सचिव एवं अपर सिविल जज (सी0डि0) श्री अरुण क्रान्ति यशोदास द्वारा प्राधिकरण के अंतर्गत कार्यरत समस्त परा-विधिक स्वयं सेवकों की बैठक आयोजित कर तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में स्वयं सेवकों को अधिक से अधिक लोगों को लोक अदालत के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से लोगों को त्वरित, सरल एवं कम खर्च में न्याय प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

जनगणना-2027 के प्रथम चरण का शुभारम्भ, डीएम ने स्वयं भरा स्व-गणना फॉर्म

क्यूँ न लिखूँ सच/ पीलीभीत। जनगणना-2027 के प्रथम चरण का शुभारम्भ गुरुवार को जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में स्वयं स्व-गणना फॉर्म भरकर किया। इसके बाद गांधी सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों की कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें अधिकारियों ने पोर्टल पर अपने-अपने स्व-गणना फॉर्म भरकर अभियान की शुरुआत की।

जिलाधिकारी ने बताया कि स्व-गणना अभियान 07 मई से 21 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अभियान को समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराया जाए तथा अधीनस्थ कर्मचारियों से भी पोर्टल पर स्व-गणना फॉर्म भरवाए जाएं।

उन्होंने कहा कि इस बार नागरिक डिजिटल माध्यम से स्वयं अपनी गणना कर सकेंगे, जिससे प्रक्रिया अधिक सरल और पारदर्शी बनेगी। उन्होंने डेटा की शुद्धता और जनभागीदारी पर विशेष जोर देते हुए कहा कि जनगणना भविष्य की विकास योजनाओं का आधार होती है। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे स्व-गणना पोर्टल का उपयोग कर राष्ट्र निर्माण के इस महत्वपूर्ण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। कार्यशाला में पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), मुख्य चिकित्साधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट, एआरटीओ, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बहेड़ी में शिकायत के तुरंत बाद बेघर परिवार को मिला छत का सहारा

क्यूँ न लिखूँ सच/ IGRS शिकायत पर बहेड़ी प्रशासन का बड़ा एक्शन, आवासहीन परिवार को मिला अपना आशियाना एसडीएम इशिता किशोर की सख्ती लाई रंग, तुरंत निस्तारण कर दिलाया आवासीय पट्टा बरेली । बहेड़ी तहसील में प्रशासन की तत्परता एक बार फिर देखने को मिली, जहां आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायत का तेजी से निस्तारण करते हुए एक आवासहीन परिवार को राहत दी गई। उप जिलाधिकारी बहेड़ी इशिता किशोर के प्रभावी निर्देशन में हुई जांच में परिवार पात्र पाया गया, जिसके बाद तत्काल आवासीय पट्टा उपलब्ध कराया गया।

प्रशासन क ी इस मानवीय और त्वरित कार्रवाई से परिवार को अब स्थायी आवास का सहारा मिल गया है। लंबे समय से आवास की समस्या झेल रहे परिवार ने प्रशासन का आभार जताया।

एसडीएम इशिता किशोर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनसमस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हर हाल में सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम जनता को शासन की योजनाओं का लाभ तेजी से मिल सके।

Planning to visit Assam? These 5 must-see places

Places like Kaziranga National Park, Majuli Island, Kamakhya Temple, Haflong, and Sualkuchi in Assam are considered very popular and beautiful places to visit. Located in northeastern India, Assam is known for its natural beauty, greenery, tea plantations, and rich culture. If you're looking for a peaceful and beautiful place away from the hustle and bustle, Assam could be the perfect destination. Its valleys, rivers, wildlife, and historical sites mesmerize every traveler. Assam is a state that is a treasure trove of experiences. Here, on one hand, you can observe wild animals up close, and on the other, you can experience spiritual peace. The cities and natural

parks along the Brahmaputra River are particularly special. If you're planning your next vacation, definitely include Assam on your list. Here, we'll tell you about five of the most beautiful places in Assam that will make your trip memorable. Kaziranga National Park - Kaziranga National Park is a UNESCO World Heritage Site, world-famous for its one-horned rhinoceros. Here, you can enjoy jeep safaris and elephant safaris. This place is a paradise for wildlife lovers. Majuli Island - Majuli Island is the world's largest river island, located in the Brahmaputra River. Its culture, satras (monasteries), and serene atmosphere will give you a unique experience. Kamakhya Temple - Kamakhya Temple is one of India's major Shaktipeeths. Located on the Nilachal Hills, this temple is visited by thousands of devotees every year. Haflong - Haflong is Assam's only hill station, known for its natural beauty and tranquil atmosphere. The lakes and hills here are breathtaking. Sualkuchi - Sualkuchi is known as the "Silk Village of Assam." Here you will get a unique experience of traditional silk sarees and handicrafts of Assam.

How to get to Puducherry from Delhi? Learn the full cost of train, flight, and road trips.

How to get to Puducherry from Delhi? Learn the best flight, train, and road travel options, including the best time, the full cost, and travel tips. If you're seeking peace and tranquility away from the hustle and bustle of everyday life, Puducherry is a beautiful tourist destination in India, offering a relaxing time amidst French architecture, azure seas, and a slower-paced lifestyle. But if you're visiting Puducherry for the first time, you'll likely have many questions, including how to travel, how long it will take to explore Puducherry, and how much it will cost. This article will answer all these questions. If you're embarking on a journey from New Delhi to Puducherry, it's important to know which option to choose: rail, road, or air, and how many days of vacation time you'll need for your trip. Here's how to reach Puducherry by flight, train, and road, including the best travel times, the total cost, and important tips for a memorable trip. Distance from Delhi to Puducherry: The journey from New Delhi to Puducherry is approximately 2,300 kilometers. Some choose the air route, others want to witness the changing India from a train, while others want to experience the thrill of the road. Find out how you can travel within your budget. How to get from Delhi to Puducherry? Flight: The air journey from Delhi to Puducherry can take 4-6 hours. Direct flights to Puducherry are limited, so you'll need to fly to Chennai, which is approximately 150 kilometers away. The flight from Delhi to Chennai takes approximately 3-4 hours. Next, travel by taxi or bus from Chennai to Puducherry, which can take another 3-4 hours. Flight and cab expenses can range from 6,000 to 15,000 rupees. If you're short

on time, this is the most sensible option. Train - Traveling from New Delhi to Puducherry is also possible by train, which can take 36 to 40 hours. If you want to experience the journey, train is the best option. The journey is certainly long, but it shows the true picture of India. From Delhi, travel by train to Chennai Railway Station or Viluppuram Railway Station. From there, take a bus or taxi to reach Puducherry. The total cost of the journey can range from ?800 to ?3500. Road - A road trip to Puducherry is also possible. The Delhi to Puducherry road trip is for the adventurous. The journey of approximately 2300 km can take 40–45 hours, and the cost, including fuel and toll, can range from ?8,000 to ?15,000. Best time to visit Puducherry: If you want to visit Puducherry, the best time is between October and March, as this is when the weather is most pleasant. Although it's hot from April to June, it rains between July and September, but the greenery becomes spectacular. The cool breeze, ocean humidity, and French streets truly shine in winter. Total cost of a trip to Puducherry: If you're planning a 3–4 day trip and want a budget trip, it could cost around ?8,000 to ?12,000. A luxury trip will cost more than Rs 30,000 per person. The cost depends on where you stay and how you travel. Famous tourist places in Puducherry - If you want to visit a spiritual place, then visit Aurobindo Ashram and Maitrimandir in Auroville. Paradise Beach, Promenade Beach and Aro Beach of Puducherry are very popular among tourists. For a tour of French heritage, definitely visit War Memorial and White Town. The main attractions here are Puducherry Light House, Botanical Garden and Bharati Park.

How many liters of diesel and petrol can you store at home? Learn the rules, or you could face jail time.

These days, many people are planning to store petrol and diesel. First, let's explain that the rules for storing both diesel and petrol are different. Let's explore this in this article. These days, there's a lot of talk about rising petrol and diesel prices. The rising cost of crude oil due to ongoing tensions around the world is believed to be the main reason behind this. Some believe that now that the supply of petrol and diesel is over, the prices of diesel and petrol may rise. Although the government has not yet released any official information on this, many people are planning to stockpile large quantities of fuel out of fear of future savings. Keeping more than a certain limit of fuel at home is a legal offense and can even lead to imprisonment under the Explosives Act. Therefore, in this article, let's understand how many liters of diesel and petrol you can store at home without a license. Before we proceed further, let's note that the rules for storing diesel and petrol are different. What are the rules for storing petrol? According to petroleum regulations, a person can only store up to 30 liters of petrol at home without a license. Even this 30 liters must be stored in secure, airtight containers with a capacity of less than 2.5 liters. If you wish to store more than 30 liters, you must obtain special permission and a license from the Explosives Department. Legal limits for diesel storage: The rules are slightly more flexible with diesel. A person can store up to 2,500 liters of diesel without a license, but this also applies. Diesel must be stored in secure metal drums or tanks, and the area must be away from primary residential areas. This exemption is only applicable if the diesel is "non-bulk," meaning it is stored in drums or small containers, and any single container must not exceed 1,000 liters. You can store diesel at home, but selling it to another person is completely illegal. Breaking

the rules can result in imprisonment - Violations of the Petroleum Act 1934 carry heavy fines and the confiscation of all stored fuel. Ignoring the rules can result in imprisonment for a minimum of six months to several years. If illegal storage of flammable materials causes loss of life, serious charges such as culpable homicide can also be imposed. Important safety tips - Don't risk your life or the lives of your neighbors by spreading rumors of rising oil prices. Petrol stored at home is highly volatile; even a small spark can burn the entire house to ashes. If storing fuel is absolutely necessary, be sure to follow the standards, or you could face legal action.

'Raja Shivaji' shows strength on the sixth day, 'Ek Din' fares poorly; learn about the collections of 'Bhoot Bangla' and other films

Many Hindi, South Indian, and Hollywood films are entertaining audiences at the Indian box office. Find out how much the Hindi films 'Ek Din' and 'Raja Shivaji', along with the other films, earned on Wednesday. Currently, several films are competing for the top spot in theaters. The Hindi films 'Ek Din', 'Bhoot Bangla', and 'Dhurandhar 2', along with the Marathi film 'Raja Shivaji', are competing with each other in theaters. Two Hollywood films, 'Michael' and 'The Devil Wears Prada 2', are also showing strong performance. Find out how much these films collected on Wednesday. How much did 'Raja Shivaji' earn on the sixth day? According to SACNILC, 'Raja Shivaji' earned ?4.25 crore on the sixth day. The film had earned ?4.90 crore on Tuesday. Directed and starring Riteish Deshmukh, the film has grossed ?48.67 crore (US$2.8 million). Based on the life of Chhatrapati Shivaji Maharaj, it was released in Marathi and Hindi. "Ek Din" has seen box office collections limited to millions. Aamir Khan's son Junaid Khan's film "Ek Din" has tanked at the box office even before it's even opened for a week. The film earned only ?2.1 million on its sixth day, compared to ?2.5 million on its fifth. The film's total collections so far stand at ?3.36 crore (US$3.6 million). What about "Bhoot Bangla" and "Dhurandhar 2"? Akshay Kumar's "Bhoot Bangla" has been in theaters for 20 days. On Wednesday, it earned ?1.75 crore (US$1.75 million), compared to ?2.25 crore (US$2.25 million) on its 19th day. The film's total collections have reached ?148.25 crore (US$1.48 million). Apart from this, 'Dhurandhar 2' has earned Rs 62 lakh on the 49th day of its release. The total collection of this film has reached Rs 1,140.17 crore till now. 'The Devil Wears Prada 2' and 'Michael' also liked by the fans - These days Hollywood films 'The Devil Wears Prada 2' and 'Michael' are also present in Indian theatres. 'The Devil Wears Prada 2' has earned Rs 1.25 crore on the sixth day of its release. The total collection of the film has also reached Rs 17.05 crore. Whereas the film 'Michael' has earned Rs 1.60 crore on the 13th day of its release. The total collection of this film has also reached Rs 42.75 crore till now. Both these films are being liked by the Indian audience.

Celina Jaitley breaks down in tears at her late son's grave, making serious allegations against her husband

Celina Jaitley shared an emotional video, in which she is seen weeping at her late son's grave. Amid divorce proceedings with her Austrian husband, Peter Hogg, Celina Jaitley visited the grave of her late son, Shamsher. While cleaning the grave, the actress became emotional, remembering her son. In the video shared by the actress, she is seen crying profusely. However, she said that she will not give up under any circumstances. "I had no other option." Celina Jaitley shared a video on Instagram of herself cleaning her son, Shamsher's grave. In a lengthy caption, she alleged that despite a court order and a joint custody arrangement, she was not being allowed to see her children. In her caption, she wrote, "I had no choice but to share this heartbreaking video to show the world my pain as a mother. The past few weeks were the most difficult of my life. I was in Austria for my divorce hearing. Despite promises made to the Austrian judge, my children were not brought back home; instead, they were taken to an unknown location. I was only able to see my son, Shamsher, who passed away some time ago. This is the heartbreaking story of a mother who has done everything for her children since their birth." "I left everything for my children, but I was not even allowed to see them," Celina further alleged, adding, "I left my country, my parents, my work, everything. From India, I went to Dubai, Singapore, Austria, then back to Dubai and Austria." I did all this to support my husband's career. I single-handedly cared for my children and supported them in their dreams, ambitions, and the life we ??built together. In return for sacrificing everything for my marriage and children, I watched my assets slowly slip away and suffered. I wanted a mutual divorce, but despite court orders, I was denied access to my children. I am being prevented from even speaking to them. Attempts are being made to coax and intimidate them into speaking against me. I always prioritized my role as a mother, but in return, I received only humiliation and suffering. Celina filed for divorce last year - In November 2025, Celina Jaitley filed for divorce in Mumbai's Andheri court, citing domestic violence and abuse. These revelations came after years of public appearances and social media posts. Celina and Peter married in 2010 and welcomed twin sons in March 2012. In 2017, Selena again gave birth to twin sons, one of whom died due to a hypoplastic heart condition.

"I don't miss her," Adnan Sami said, referring to Asha Bhosle. He said, "Call her and talk..."

Adnan Sami recalled his family ties with Asha Bhosle. Find out why Adnan said he doesn't miss the late Asha Bhosle... The passing of legendary singer Asha Bhosle last month sent shockwaves through the music industry. Now, singer and musician Adnan Sami has also remembered Asha Bhosle. He spoke about her importance in his life and said her legacy will be remembered for generations. However, Adnan Sami said, "I won't miss her. She will live on forever through her art." Speaking to ANI, Adnan Sami remembered Asha Bhosle, saying, "I won't miss her. For me, she's still alive. The only thing missing is that I can't talk to her on the phone, nor can I sing with her." Nor can I perform with her. As far as her personality and her spirit are concerned, she will live on forever. Speaking about his family's personal connection with Asha Bhosle, Adnan said, "As my daughter Medina says, she is Medina's grandmother. She calls her 'Dadi'. She is important in our hearts and in our family. She is a precious legacy for all of us. She will always live on through her art and voice." Sharing an anecdote from recording with Asha Bhosle in London, Adnan Sami said, "Her ideas were very modern and progressive. It was my first time recording with her in London. I grew up there and am well aware of the culture there. It is different from Indian culture. We call our parents' friends 'Uncle' or 'Aunty'. That's our way of respecting elders. It's not like that abroad. I introduced her to her in London as 'Asha Ji'." I told her that her name was Asha ji. When she came to the recording room, everyone called her Asha ji. She was very happy. She even made Indian style tea for everyone. Later I told her that I had added a word to her name. Asha Bhosle passed away at the age of 92 - Veteran singer Asha Bhosle passed away on April 12 last month at the age of 92. The cause of her death was multiple organ failure. Her death has deeply shocked the music world. Many stalwarts from the music and film world attended her funeral at Shivaji Park crematorium in Mumbai.